भाग–2

परियोजना या स्कीम की अवस्थितिः– जनपद चमोली के विधानसभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के अन्तर्गत उमट्टा–बरसाली–मौणा मोटर मार्ग का बैरफाला–काण्डा तक विस्तारीकरण के निर्माण हेतु 2.015 है0 वन भूमि का हस्तान्तरण प्रस्ताव।	
(i) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	उत्तराखण्ड
(ii) जिला	चमोली
(iii) जिला वन प्रभाग	बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।
(iv) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जानी वाली प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र	1.110है0 आरक्षित वन भूमि, 0.747 है0 सिविल भूमि, 0.158 है0 वन पंचायत।
2– पूर्वेक्षण के लिए पहचानी गई नई वन भूमि की विधिक प्रस्थिति	आरक्षित वन भूमि
3– अपवर्जन के लिए प्रस्तावित वनभूमि में उपलब्ध वनस्पति का ब्यौरा–	संलग्न।
(i) वन का प्रकार	आरक्षित वन भूमि, सिविल भूमि, वन पंचायत वन भूमि
(ii) वनस्पति का औसत पूर्ण घनत्व	0.3
(iii) प्रजातिवार स्थलवार या वैज्ञानिक नाम और गिराए जाने के लिए अपेक्षित वृक्षो की परिगणना।	संलग्न।
(iv) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली वन भूमि की कार्यकरण योजना का नुस्खा	संलग्न।
4– भूक्षरण के लिए पूर्वेक्षण हेतु उपयोग की जानी वन भूमि की स्थलाकृति और क्षीर्णता पर संक्षिप्त टिप्पणी	भू–वैज्ञानिक रिर्पोट संलग्न।
5– वनभूमि की सीमा से पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जानी प्रस्तावित वन भूमि की लगभग दूरी	0.100 किमी0
6– वन्यजीव की दृष्टि से पूर्वेक्षण में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की महत्ता	नहीं।
(i) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के लगभग विद्यमान वन्यजीव का ब्यौरा	नहीं।
(ii) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य जैवक्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी कोरीडोर वन्यजीव अत्प्रवास गलियारे आदि के भाग का निर्माण करते है (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के ब्यौरे और उपाबद्व किए जाने में मुख्य वन्य जीव वार्डन की टीका–टिप्पणी उपावद्व की जाय)	नहीं।
(iii) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य जैवक्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से दस किमी0 के भीतर अवस्थित है (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्य वन्यजीव वार्डन की टीका–टिप्पणियों उपावद्व की जाय)	नहीं। मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन, आई0टी0 एवं आधुनिकीकरण, देहरादून की पत्र सं0 230/32–1–2(जी0एस0आई0) दिनांक 13.07.2019 से केदारनाथ वन्यजीव अभ्यारण्य की निकटतम हवाई दूरी 18.1 किमी0 जी0आई0एस0 तकनीकी से सन्निकट आकलित की गयी है।
(iv) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से एक किमी0 के भीतर अवस्थित है, (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्या वन्यजीव वार्डन की टीका–टिप्पणियों उपावद्व की जाए)	नहीं।
(v) क्या क्षेत्र में वनस्पति और जीव जन्तु के अलग या खतरे में अलग किस्म के खतरे की प्रजातियां है, तो उसके ब्यौरे	नही।

Scanned with CamScanner

7– क्या क्षेत्र में कोई संरक्षित पुरातत्वीय या विरासत स्थल या प्रतिरक्षात्मक स्थापन या कोई महत्वपूर्ण संस्मारक अवस्थित है (यदि ऐसा है तो उपावद्व किए जाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण–पत्र के साथ उसका ब्यौरा दें।)	नहीं।
8– पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के विस्तार की युक्तियुक्तता के बारे में टीका टिप्पणियां दें।	निम्नानुसार।
(i) क्या भाग–1 के पैरा 6 और 7 में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा यथाप्रस्तावित वन भूमि की अपेक्षा अपरिहार्य है और परियोजना के लिए अति न्यूनतम है।	न्यूनतम है।
(ii) यदि नही तो वन भूमि के सिफारिश किए गए क्षेत्र जिसके पूर्वेक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है।	याचिका भूमि न्यूनतम है।
9– किए गए अतिक्रमण के ब्यौरेः–	
(i) क्या अधिनियम या अधिनियम के अधीन मार्गदर्शक सिद्वातों के अतिक्रमण में किसी कार्य की किया गया है (हां/नहीं)	नहीं।
(ii) यदि हां, की गई कार्य अवधि, अतिक्रमण में अंतर्वर्तित वन भूमि, अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति का नाम, पते और पदनाम सहित अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी के लिए उत्तददायी व्यक्ति के विरूद्व की गई कार्यवाही।	नहीं।
(iii) क्या अतिक्रमण में कार्य अब भी प्रगति है (हां/नहीं)	नहीं।
10– क्षतिपूरक वनरोपण स्क्रीम के ब्यौरेः–	
(i) क्षतिपूरक वनरोपण बढाने के लिए पहचान की गई वन भूमि की विधिक प्रास्थिति।	मौणा सिविल भूमि
(ii) अवस्थिति, सर्वेक्षण या कम्पाटमेंट या खसरा सं0 क्षेत्र और क्षतिपूरक वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वन क्षेत्र या अवनत वन जैसे ब्यौरे दें।	मौणा सिविल भूमि 4.055 है0 खसरा नं0 1387 में 0.850, 1392 में 0.456 है0, 1401 में 0.212 है0, 1402 में 0.409 है0, 1403म में 1.770 है0 एवं 1599/2003 म में 0.338
(iii) क्षतिपूरक वृक्षारोपण क्षेत्र के लिए पचान किए गए गैर वनीकरण या अवनत वन दर्शित करने वाले 1:50,000 माप के मूल में स्थल परत भारत का सर्वेक्षण और समीप्य वन सीमाएं संलग्न है।	प्रस्ताव में क्षतिपूरक वृक्षारोपण डिजिटल मैप में स्थल की सीमाए दर्शित है।
(iv) रोपित की जाने वाली प्रजातियों कार्यन्वयन अभिकरण, लागत संरचना आदि सहित क्षतिपूरक वनरोपण स्क्रीम के ब्यौरे संलग्न है (हां/नहीं)	प्रस्ताव में संलग्न।
(v) क्षतिपूरक वृक्षारोपण स्क्रीम के लिए कुल वित्तीय उपरिव्ययः–	प्रस्ताव में संलग्न प्राक्कलन के अनुसार।
(vi) क्या क्षतिपूरक वृक्षारोपण के लिए प्रवन्धन के दृष्टिकोण से पहचान किए गए क्षेत्र की उपयुक्तिता के बारे में संवद्व उप वन संरक्षण से प्रमाण–पत्र संलग्न हैं (हां/नहीं)	प्रस्ताव में क्षतिपूरक वृक्षारोपण स्थल की उपयुक्तता प्रमाण–पत्र संलग्न है।
11– वनस्पति और जीवजन्तु पर प्रस्तावित क्रियाकलापों के समाधान से सम्वन्धित महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में लाने वाले उप वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट संलग्न है। (हां/नहीं)	नहीं।
12– स्वीकृति या अन्यथा कारणों के साथ प्रस्ताव के लिए उप वन संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिशें।	जनहित में संस्तुति दी जाती है।

(आशुतोष सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।

स्थानः– गोपेश्वर।
दिनांक– 05/08/2021

Scanned with CamScanner